

: יָדָיו	לְמַעַשָׁה	עוֹר	תִּשְׁתַּחֲוֶה	וְלֹא-	מִקְרֵבָה	וּמִצְבּוֹתָיו	פְּסִילֵיהֶם	וְהִכְרַתִּי	13
अपने-हाथों-के	कार्य-को	फिर	दंडवत-करेगी	और-नहीं-	तेरे-बीच-से	और-तेरे-स्तंभ	तेरी-मूर्तियां	और-काट-डालूंगा	
H3027	H4639	H5750	H7812	H3808	H7130	H4676	H6456	H3772	

मैं तुम्हारे झूठे देवताओं की मूर्तियों को नष्ट करूँगा। उन झूठे देवों के पत्थर के स्मृति—स्तम्भ मैं उखाड़ फेंकूँगा जिनको तुमने स्वयं अपने हाथों से बनाया है। तुम उनकी पूजा नहीं कर पाओगे।

: עָרְיָה	וְהִשְׁמַדְתִּי	מִקְרֵבָה	אֲשֵׁרָיָה	וְנִתְשָׁתִי	14
तेरे-नगर	और-नाश-करूँगा	तेरे-बीच-से	तेरे-अशेरा	और-उखाड़ूँगा	
	H8045	H7130	H0842	H5428	

मैं अशेरा की पूजा के खम्भों को नष्ट कर दूँगा। तुम्हारे झूठे देवताओं को मैं तहस— नहस कर दूँगा।

ס	שָׁמְעוּ:	לֹא	אֲשֶׁר	הַגּוֹיִם	אֶת-	נָקָם	וּבְחַמָּה	בְּאֵף	וְעָשִׂיתִי	15
सेला	सुनीं	नहीं	जो	जातियों	को-	बदला	और-जलजलाहट-में	क्रोध-में	और-मैं-करूँगा	
	H8085	H3808		H0853	H5359	H2534	H0639			

कुछ लोग ऐसे होंगे जो मेरी नहीं सुनेंगे। मैं उन पर क्रोध करूँगा और मैं उनसे बदला लूँगा।”